

श्याम मेरी अब तो पकड़ो कलाई भजन लिरिक्स



श्याम मेरी अब तो,
पकड़ो कलाई,
हूँ अकेला यहाँ,
नहीं कोई मेरा,
मेरी बनके चलो परछाई,
श्याम मेरी अब तों,
पकड़ो कलाई lbd।

तर्ज - वफ़ा ना रास आई।

इस दुनिया में एक तू ही मेरा,
दूजा ना कोई सहारा है,
मन में विश्वास जगा कर के,
मैंने तुझको आज पुकारा है,
मेरी सुनके पुकार,
तू आज एक बार,
अब तो कर लो सुनवाई,
श्याम मेरी अब तों,
पकड़ो कलाई lbd।

आकर के देखो हाल मेरा,
इस जग ने क्या कर डाला है,
जिसको अपना समझा मैंने,
उसने ही छीना निवाला है,
रोटी छीनी कपडा छीना,
और छीन ली मेरी कमाई,
श्याम मेरी अब तों,
पकड़ो कलाई lbd।

मैं तो दुनिया से हारा गया,
अब तुझको ही जितवाना है,
खोया सम्मान जो 'विककी' का,
हर हाल में उसे दिलाना है,
जो भी आया शरण,
हार कर के तेरी,
तूने उसकी बिगड़ी बनाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के सीधे अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



श्याम मेरी अब तो,
पकड़ो कलाई,
हूँ अकेला यहाँ,
नहीं कोई मेरा,
मेरी बनके चलो परछाई,
श्याम मेरी अब तों,
पकड़ो कलाई Ibd।

Singer – Kamal Kanha Sukhwani